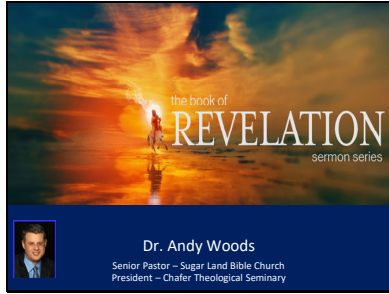


Slide 1




---



---



---



---



---

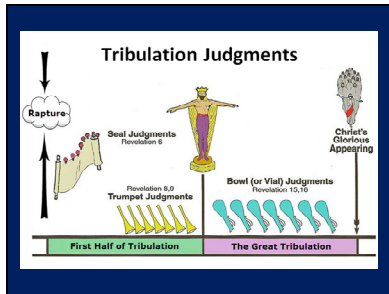


---



---

Slide 2




---



---



---



---



---



---



---

Slide 3

**Seven Bowls**  
(Revelation 16)

- 1<sup>st</sup> Bowl (16:1-2) – Boils
- 2<sup>nd</sup> Bowl (16:3) – Sea becomes blood
- 3<sup>rd</sup> Bowl (16:4-7) – Freshwater destroyed
- 4<sup>th</sup> Bowl (16:8-9) – Sun scorches man
- 5<sup>th</sup> Bowl (16:10-11) – Darkness
- 6<sup>th</sup> Bowl (16:13-16) – Euphrates dried
- 7<sup>th</sup> Bowl (16:17-21) – Greatest earthquake**

---



---



---



---



---



---



---

Slide 4

**7. The Seventh Bowl**  
Revelation 16:17-21

- a) 7<sup>th</sup> angel pours out the bowl (17)
- b) Lightning & thunder (18a)
- c) Greatest earthquake (18b)
- d) Jerusalem destroyed (19a)
- e) **Babylon destroyed (19b)**
- f) Every mountain & island moved (20)
- g) 100-pound hailstones (21a)
- h) Man's sinful reaction (21b)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 5

**Revelation 16:19**

"The great city was split into three parts, and the cities of the nations fell. **Babylon the great was remembered before God, to give her the cup of the wine of His fierce wrath.**"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

**Revelation 17:1**

"Then **one of the seven angels who had the seven bowls** came and spoke with me, saying, "Come here, I will show you the judgment of the great harlot who sits on many waters."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

Seals (Rev 7) 144,000 JEWS  
1 2 3 4 5 6 7

Trumpets (Rev 10-11) No Delay: 2 Witnesses  
1 2 3 4 5 6 7 (Rev 12-14) Israel's flight

Bowls (Rev 16:13-16) Armageddon  
1 2 3 4 5 6 7 (Rev 17-18) Babylon falls

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

**5 Non-Chronological Parenthetical Insertions**

1. Rev 7 – 144,000 Jews
2. Rev 10:1-11:13 – Announcement of no more delay and the two witnesses
3. Rev 12-14 – Israel's flight, two beasts, six scenes of hope
4. Rev 16:13-16 – Gathering of the nations to Armageddon
5. Rev 17:1-19:6 – Babylon's fall

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

**The Woman Rides the Beast**  
Revelation 17

- I. The Vision Concerning Babylon (17:1-6a)
- II. The Interpretation Concerning Babylon (6b-18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 10

**The Woman Rides the Beast**  
Revelation 17

I. The Vision Concerning Babylon (17:1-6a)

II. The Interpretation Concerning Babylon (6b-18)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 11

**I. The Vision Concerning Babylon**  
Revelation 17:1-6a

A. Her introduction (1a)  
B. Her judgment (1b)  
C. Her immorality (2)  
D. Her influence (3)  
E. Her appearance (4)  
F. Her title (5)  
G. Her persecution (6a)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**The Woman Rides the Beast**  
Revelation 17

I. The Vision Concerning Babylon (17:1-6a)

II. The Interpretation Concerning Babylon (6b-18)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 13

II. The Interpretation Concerning Babylon  
Revelation 17:6b-18

- A. The Interpretation Promised (6b-7)
- B. The Beast & His system (8-14)
- C. Babylon (15-18)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

II. The Interpretation Concerning Babylon  
Revelation 17:6b-18

- A. The Interpretation Promised (6b-7)
- B. The Beast & His system (8-14)
- C. Babylon (15-18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

Revelation 17:3

“And he carried me away in the Spirit into a wilderness; and I saw a woman sitting on a scarlet beast, full of blasphemous names, having seven heads and ten horns.”



---

---

---

---

---

---

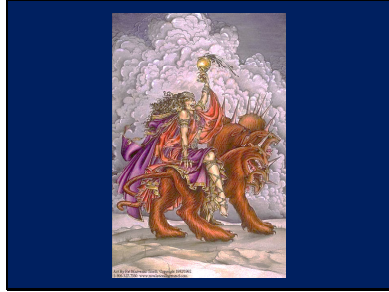
---

---

---

---

Slide 16



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

II. The Interpretation Concerning Babylon  
Revelation 17:6b-18

- A. The Interpretation Promised (6b-7)
- B. **The Beast & His system (8-14)**
- C. Babylon (15-18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

B. The Beast & His System  
Revelation 17:8-14

- 1. The Beast (8)
- 2. The Seven Heads (9-11)
- 3. The Ten Horns (12-14)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

**B. The Beast & His System**  
Revelation 17:8-14

1. **The Beast (8)**
2. The Seven Heads (9-11)
3. The Ten Horns (12-14)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 20

**Revelation 13:14**

“And he deceives those who dwell on the earth because of the signs which it was given him to perform in the presence of the beast, telling those who dwell on the earth to make an image to **the beast** who had the wound of the sword and **has come to life [zōō]**.”



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

**B. The Beast & His System**  
Revelation 17:8-14

1. The Beast (8)
2. **The Seven Heads (9-11)**
3. The Ten Horns (12-14)



---

---

---

---

---

---

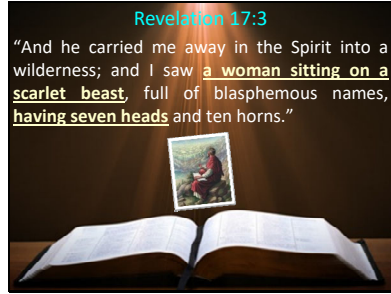
---

---

---

---

Slide 22



---

---

---

---

---

---

---

---

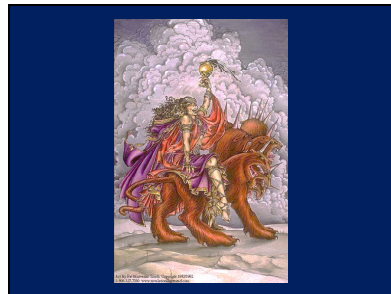
---

---

---

---

Slide 23



---

---

---

---

---

---

---

---

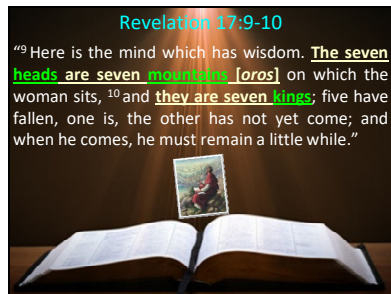
---

---

---

---

Slide 24



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26

7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 28

**7 Kings or Kingdoms (Dan. 2:37-38)**  
(Revelation 17:9-10)

1. Egypt
2. Assyria
3. Babylon
4. Persian
5. Greece
6. Rome I
7. Rome II




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

**B. The Beast & His System**  
Revelation 17:8-14

1. The Beast (8)
2. The Seven Heads (9-11)
3. The Ten Horns (12-14)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 30

**Revelation 17:3**  
"And he carried me away in the Spirit into a wilderness; and I saw a woman sitting on a scarlet beast, full of blasphemous names, having seven heads and ten horns."




---

---

---

---

---

---

---

---

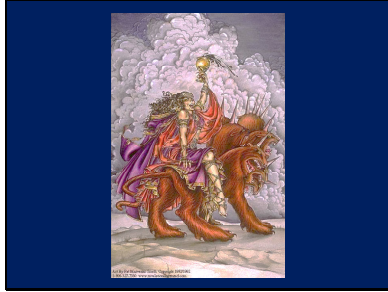
---

---

---

---

Slide 31



---

---

---

---

---

---

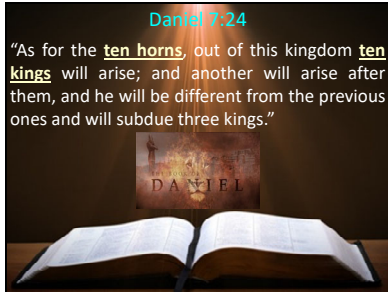
---

---

---

---

Slide 32



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34



---

---

---

---

---

---

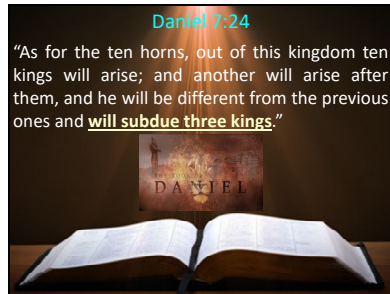
---

---

---

---

Slide 35



---

---

---

---

---

---

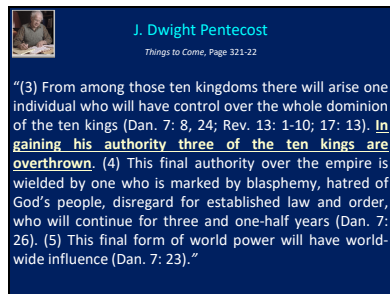
---

---

---

---

Slide 36



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 37

II. The Interpretation Concerning Babylon  
Revelation 17:6b-18

- A. The Interpretation Promised (6b-7)
- B. The Beast & His system (8-14)
- C. Babylon (15-18)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 38

Revelation 17:3

“And he carried me away in the Spirit into a wilderness; and I saw a woman sitting on a scarlet beast, full of blasphemous names, having seven heads and ten horns.”



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 39



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 40

**C. The Beast & His System**  
Revelation 17:15-18

1. Her Influence (15)
2. Her Destruction (16-17)
3. Her Identification (18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 41

**C. The Beast & His System**  
Revelation 17:15-18

1. Her Influence (15)
2. Her Destruction (16-17)
3. Her Identification (18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 42

Parallels Between Jeremiah 50-51 & Revelation 17-18		
	Jeremiah	Revelation
Associated with a Golden cup	51:7a	17:3-4; 18:6
Dwelling on many waters	<b>51:13</b>	<b>17:1</b>
Intoxicating the nations	51:7b	17:2
Same name	50:1	17:5
Persecution of the saints	51:49	17:6; 18:24
Stone sinking into Euphrates	51:63-64	18:21
Sudden destruction	51:8	18:8
Destroyed by fire	51:30	17:16
Final, uninhabitable	50:39	18:21
Deserved	50:29	18:6
God's people flee	51:6, 45	18:4
Heaven rejoices	51:48	18:20

Dyer, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," 441-43.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

OT Descriptions of Babylon in Rev 17-18		
	Revelation 17-18	Old Testament
Waters	17:1	Psalm 137:1
Babylon the Great	17:5	Daniel 4:30
Mother harlots	17:5	Genesis 11:1-9
Fallen, fallen is Babylon	18:2	Isaiah 21:9
Will not see widowhood	18:7	Isaiah 47:7-9
Colorful attire	17:4; 18:16	Daniel 5:7, 16, 29
Sorcery	18:23	Isaiah 47:9-13

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 44

**Genesis 11:1-4**

<sup>1</sup> Now the whole earth used the same language and the same words. <sup>2</sup> It came about as they journeyed east, that they found a plain in the land of Shinar and settled there. <sup>3</sup> They said to one another, "Come, let us make bricks and burn them thoroughly." And they used brick for stone, and they used tar for mortar. <sup>4</sup> They said, "Come, let us build for ourselves a city, and a tower whose top will reach into heaven, and let us make for ourselves a name, otherwise we will be scattered abroad over the face of the whole earth."




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

Spread of the Mother-Child Cult		
	Mother	Child
Assyria	Ishtar	Tammuz
Phoenicia	Astarte	Baal
Egypt	Isis	Osirus/Horus
Greece	Aphrodite	Eros
Rome	Venus	Cupid
Asia	Cybele	Desius
India	Isi	Aswara
Roman Catholicism	Mary	Jesus
Israel	Queen of Heaven (Jer. 7:18; 44:17)	Tammuz (Ezek. 8:14-15)

Alexander Hislop, Two Babylons

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 47

C. The Beast & His System  
Revelation 17:15-18

1. Her Influence (15)
2. **Her Destruction (16-17)**
3. Her Identification (18)

A small, square illustration depicting a woman in a purple and gold robe sitting on a multi-headed, multi-horned beast. The scene is set against a dark, dramatic background.

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

Revelation 17:3

“And he carried me away in the Spirit into a wilderness; and I saw a woman sitting on a scarlet beast, full of blasphemous names, having seven heads and ten horns.”

An open Bible lies flat on a dark surface. A small, square illustration of a woman on a beast is placed on top of the Bible, centered between the two pages.

---

---

---

---

---

---

---

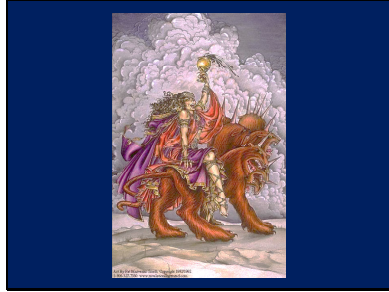
---

---

---



Slide 49




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50

Parallels Between Jeremiah 50-51 & Revelation 17-18		
	Jeremiah	Revelation
Associated with a Golden cup	51:7a	17:3-4; 18:6
Dwelling on many waters	51:13	17:1
Intoxicating the nations	51:7b	17:2
Same name	50:1	17:5
Persecution of the saints	51:49	17:6; 18:24
Stone sinking into Euphrates	51:63-64	18:21
Sudden destruction	51:8	18:8
Destroyed by fire	51:30	17:16
Final, uninhabitable	50:39	18:21
Deserved	50:29	18:6
God's people flee	51:6, 45	18:4
Heaven rejoices	51:48	18:20

Dyer, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," 441-43.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

ONE BABYLON		
	Rev. 17	Rev. 18
Same name	17:5	18:2
City	17:18	18:10
Same clothing	17:4	18:16
Holding a cup	17:4	18:6
Fornicating with Kings	17:2	18:3
Drunk with wine of immorality	17:2	18:3
Persecuting believers	17:6	18:20, 24
Destroyed by fire	17:16	18:8, 18
Destroyed by God	17:17	18:5, 8

Dyer, "The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 1)," 311-13.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

C. The Beast & His System  
Revelation 17:15-18

1. Her Influence (15)
2. Her Destruction (16-17)
3. Her Identification (18)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

**“MYSTERY” IN HARLOT’S TITLE? REV. 17:5**

And on her forehead a name was written: **MYSTERY**, BABYLON THE GREAT, THE MOTHER OF HARLOTS AND OF THE ABOMINATIONS OF THE EARTH. (KJV, NIV)

... and upon her forehead a name was written, a **mystery**, “BABYLON THE GREAT, THE MOTHER OF HARLOTS AND OF THE ABOMINATIONS OF THE EARTH.” (NASB)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 54

Revelation 17:18

“The woman whom you saw is the great **city**, **[polis]** which reigns over the kings of the earth.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55

**Bullinger**  
The Apocalypse or "The Day of the Lord", 509

"It is indeed surprising how any mistake could have been made in the identification of this woman. For the Holy Spirit first shows us her very name upon her forehead. Then, in verse 18, He tells us as plainly as words can tell anything, that 'the woman which thou sawest is that great city, which reigneth over the kings of the earth', and chap. xvi. 19, as well as xvii. 5, identifies this city with Babylon. **God says it is a 'city.'** **He does not say a system or a religion, but a 'CITY.'"**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

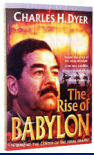
---

---

---

Slide 56

**Charles H. Dyer**  
"The Identity of Babylon in Revelation 17-18 (Part 2)," Bibliotheca sacra 144 (October-December 1987): 436.



"Whatever else is said about the harlot, she is first a city, not an ecclesiastical system."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

Two Babylons View		
	Ecclesiastical Babylon	Commercial Babylon
Chapter	Revelation 17	Revelation 18
Literalness	Not literal	Literal
Time of Destruction	1 <sup>st</sup> half of Tribulation	Second Advent
Emphasis	Religion	Commercial & Political

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 58

 **John F. Walvoord**  
The Revelation of Jesus Christ: A Commentary  
(Chicago: Moody, 1966), 267.

"Babylon, ecclesiastically symbolized by the woman in Revelation 17, proposes a common worship and a common religion through uniting in a world church. This is destroyed by the beast in Revelation 17:16 who thus fulfills the will of God (Rev. 17:17). Babylon, politically symbolized by the great city of Revelation 18, attempts to achieve its domination of the world by a world common market and a world government. These are destroyed by Christ at His second coming (Rev. 19:11–21)."

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 59

 **John F. Walvoord**  
The Revelation of Jesus Christ: A Commentary  
(Chicago: Moody, 1966), 257, 263.

"The city here according to verse 5 is a mystery, **not a literal city**...The ultimate decision depends upon the judgment of the expositor, but in many respects it is simpler to postulate a rebuilt Babylon **as fulfilling literally** the Old Testament prophecies as well as that embodied in this chapter."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 60

**Revelation 18:10**

"standing at a distance because of the fear of her torment, saying, 'Woe, woe, the great **city [polis]**, Babylon, the strong city! For in one hour your judgment has come.'"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

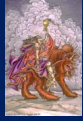
---



Slide 64

II. The Interpretation Concerning Babylon  
Revelation 17:6b-18

- A. The Interpretation Promised (6b-7)
- B. The Beast & His system (8-14)
- C. Babylon (15-18)



---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 65



"The LORD bless you and keep you; the LORD make his face shine on you and be gracious to you; the LORD turn his face toward you and give you peace." (NIV)

---

---

---

---

---

---

---

---

14

1 John 4:3-and every spirit that does not confess Jesus is not from God; this is the spirit of the antichrist, of which you have heard that it is coming, and now it is already in the world.

Rev. 19:19-Then I saw the beast and the kings of the earth and their armies gathered together to wage war against the rider on the horse and his army.

Rev. 19:16-On his robe and on his thigh he has this name written: **king of kings and lord of lords.**

Matt. 25:31-When the Son of Man comes in his glory, and **all the angels with him,** he will sit on his glorious throne.

Jude 14-Enoch, the seventh from Adam, prophesied about them: “See, the Lord is coming **with thousands upon thousands of his holy ones.**

## **15**

Jer. 51:13-O you who dwell by **many waters,** Abundant in treasures, Your end has come, The measure of your end.

Ps. 137:1-By the **rivers of Babylon,** There we sat down and wept, When we remembered.

Rev. 5:9-And they sang a new song, saying, “Worthy are You to take the book and to break its seals; for You were slain, and purchased for God with Your blood *men* from **every tribe and tongue and people and nation.**”

1 John 2:2-and He Himself is the propitiation for our sins; and **not for ours only, but also for *those of the whole world.***

Rev. 7:9- After these things I looked, and behold, a great multitude which no one could count, from **every nation and all tribes and peoples and tongues**, standing before the throne and before the Lamb, clothed in white robes, and palm branches *were* in their hands.

Rev. 11:9- Those from the **peoples and tribes and tongues and nations** *will* look at their dead bodies for three and a half days, and will not permit their dead bodies to be laid in a tomb.

Rev. 13:7- Rev. 13:7-It was also given to him to make war with the saints and to overcome them, and authority over every **tribe and people and tongue and nation** was given to him.

Rev. 17:15-And he said to me, “The waters which you saw where the harlot sits, are **peoples and multitudes and nations and tongues**.

## **16**

Dan. 11:36-37-**36** “The king will do as he pleases. He will exalt and magnify himself above **every** god and will say unheard-of things against the God of gods. He will be successful until the time of wrath is completed, for what has been determined must take place. **37** He will show no regard for the gods of his



ancestors or for the one desired by women, nor will he regard **any god**, but will exalt himself above them **all**.

2 Thess. 2:4-He will oppose and will exalt himself over **everything** that is called God or is worshiped, so that he sets himself up in God's temple, proclaiming himself **to be God**.

Jer. 51:30-Babylon's warriors have stopped fighting; **they remain in their strongholds**. Their strength is exhausted; they have become weaklings. Her dwellings are set on **fire**; the bars of her gates are broken.

**Rev. 18:8**-Therefore in one day her plagues will overtake her: death, mourning and famine. She will be consumed by **fire**, for mighty is the Lord God who judges her.

**Rev. 18:18**- When they see the smoke of her **burning**, they will exclaim, 'Was there ever a city like this great city?'

## **17**

Isa. 45:4- For the sake of Jacob My servant, And Israel My chosen one, I have also called you by your name; I have given you a title of honor **Though you have not known Me**.

Exod. 7:13-Yet Pharaoh's heart was hardened, and **he did not listen** to them, as the LORD had said.

Exod. 7:22- But the magicians of Egypt did the same with their secret arts; and Pharaoh's heart was hardened, and **he did not listen** to them, as the LORD had said.

Exod. 8:15-But when **Pharaoh** saw that there was relief, **he hardened his heart and did not listen** to them, as the LORD had said.

Exod. 9:19-Then the magicians said to Pharaoh, "This is the finger of God." But Pharaoh's heart was hardened, and **he did not listen** to them, as the LORD had said.

Exod. 8:32-But **Pharaoh hardened his heart** this time also, and he did not let the people go.

Exod. 9:7-Pharaoh sent, and behold, there was not even one of the livestock of Israel dead. But the heart of Pharaoh was hardened, and **he did not let the people go.**

Exod. 9:12-And **the LORD hardened Pharaoh's heart**, and he did not listen to them, just as the LORD had spoken to Moses.

## **Conclusion**

Num. 6:24-26-The Lord bless you, and keep you; the Lord make His face shine on you, And be gracious to you, the Lord lift up His countenance on you, And give you peace.'